RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 170 | SATURDAY 27-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

लागू ट्रैफिक पुलिस ने, किया नया ही खेल।
जंप रेड लाइट करी, तो जायेंगे जेल।
तो जायेंगे जेल, जंप मत करना लाइट।
हो जायेगा अरे, मामला वर्ना टाइट।
कह साहिल कविराय, हमें ही उलझायेंगे।
लाइट अगर खराब, जेल क्या खुद जायेंगे।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

साउथ सिटी रोड पर इललीगल इमारतों को ग्लाडा दे रहा नोटिस, विधायक ने वहीं लगाई स्ट्रीट लाइटें, जल्द बनेगी सड़कें

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। साउथ सिटी रोड पर धड़ल्ले से इललीगल कमर्शियल इमारतों का निर्माण हुआ। हैरानी की बात तो यह है कि पहले ग्लाडा ने इस अवैध कार्य को रोका नहीं और फिर बाद में पीला पंजा चलाने के नोटिस जारी कर डाले। अब उसी अवैध इमारतों को सुविधा देते हुए हल्का गिल विधायक जीवन सिंह संगोवाल की और से वहां स्ट्रीट लाइटें लगवाई गई है। एक तरफ ग्लाडा द्वारा 72 अवैध इमारतें होने के चलते नोटिस दिए जा रहे हैं, दूसरी तरफ राजनेताओं द्वारा वोट बैंक पक्का करने के लिए उन्हें सुविधा दी जा रही है। हालांकि पंजाब की आप सरकार का सीधा मोटिव है कि भ्रष्टाचार को न तो बर्दाश्त किया जाएगा और न ही बढ़ावा देने दिया जाएगा। लेकिन यहां पर उल्ट ही देखने को मिल रहा है। अब अगर अवैध इमारतें बनाने वालों को पूरी सुविधाएं मिलेगी, तो उन्हें देखकर बाकी लोग भी अवैध कार्य करने लग जाएंगे।

विधायक का कहना झ्र एक बार कहने पर 60 सेंसर लाइटें लगा जगमग करवा दी जाएगी सड़कें

साउथ सिटी रोड पर लगाई जा रही लाइटें,

विधायक संगोवाल संग मीटिंग करते इमारतों के मालिक

एक कहने पर लगवाई जा रही 60 लाइटें...विधायक जीवन सिंह संगोवाल ने कहा कि साउथ सिटी रोड के बिल्डिंग मालिकों की एसोसिएशन के सदस्य उनके पास आए थे। उन्हें आश्वासन दिया था कि सड़क को जगमग करने पर लगा दिया जाएगा। एक बार कहने पर सड़क पर लाइटें लगनी शुरू हो गई। जिसके चलते 30 सेंसर लाइटें भेज दी गई है और 30 और भेजी जाएगी। वहीं जल्द सड़कें भी पक्की होंगी।

अब यह इलाका रिहायशी नहीं रहा...विधायक ने कहा कि अब यह एरिया रिहायशी नहीं रहा। यहां पर कमर्शियल एक्टिविटी ही होगी। जिसके चलते जल्द इस सड़क को कमर्शियल घोषित कराया जाएगा। वहीं ग्लाडा में बिल्डिंग मालिकों की एनओसी की पेमेंट पेडिंग पड़ी है। जिसे जल्द रिलीज कराया जाएगा। इसके लिए अगले हफ्ते मीटिंग रखी गई है। यहीं नहीं विधायक जीवन सिंह संगोवाल ने मौके पर ऐलान किया कि जल्द इस एरिया की सड़कें नई बनाई जाएंगी। जिसकी प्लानिंग की जा रही है।

क्या आपका दिल भी दे रहा है Warning?

युवाओं में क्यों बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले, जानिए कार्डियक सर्जन डॉ. सरजू रल्हन से

पहले माना जाता था कि दिल की बीमारियां सिर्फ बढ़ती उम्र के साथ आती हैं, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। जिम में वर्कआउट करते युवाओं का अचानक गिर जाना, स्टेज पर कार्डियक अरेस्ट और कम उम्र में हार्ट अटैक के मामले लगातार चर्चा में हैं। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? क्या हमारी लाइफस्टाइल इसके पीछे जिम्मेदार है? और शरीर कौन-से शुरूआती संकेत देता है जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं? इन्हीं अहम सवालों पर हमने बात की डीएमसी लुधियाना के कार्डियक सर्जन डॉ. सरजू रल्हन से और जाना कि दिल को स्वस्थ रखने के लिए आज की युवा पीढ़ी को क्या बदलाव करने की जरूरत है। इन्हीं सवालों के जवाब जानने के लिए हमने बात की डीएमसी लुधियाना में कार्यरत कार्डियक सर्जन डॉ. सरजू रल्हन से।

आपने दिल के डॉक्टर बनने का फैसला कब किया?

● डॉ. सरजू रल्हन: बचपन से ही मेरे मन में था कि मुझे कार्डियक सर्जन बनना है। उस समय इस क्षेत्र के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन कुछ फिल्मों और जानकारी के माध्यम से इस क्षेत्र में रुचि बनी और फिर मैंने इसी दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया।

कार्डियक सर्जन बनने में कितना समय लगता है?

● डॉ. सरजू रल्हन: सबसे पहले एमबीबीएस करने में साढ़े पांच साल लगते हैं। इसके बाद तीन साल जनरल सर्जरी और फिर तीन साल कार्डियक सर्जरी की पढ़ाई होती है। कुल मिलाकर करीब 11 साल की ट्रेनिंग लगती है और उसके बाद अनुभव का सफर जारी रहता है।

आजकल सबसे ज्यादा कौन-सी दिल की बीमारी देखने को मिल रही है?

● डॉ. सरजू रल्हन: आज सबसे ज्यादा हार्ट अटैक और हृदय संबंधी समस्याएं सामने आ रही हैं। पहले ये समस्याएं अधिक उम्र के लोगों में होती थीं लेकिन अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही हैं।

सोशल मीडिया पर अचानक हार्ट अटैक की खबरें बहुत दिखती हैं। इसकी वजह क्या हो सकती है?

● डॉ. सरजू रल्हन: सोशल मीडिया ने जागरूकता बढ़ाई है। दिल की समस्या कई कारणों से हो सकती है—हार्ट की नसों में ब्लॉकेज, हार्ट मसल की बीमारी या दिल की धड़कन नियंत्रित करने वाली प्रणाली में गड़बड़ी। कुछ समस्याएं आनुवंशिक भी होती हैं।

सामान्य दर्द और दिल के दर्द में फर्क कैसे समझें?

● डॉ. सरजू रल्हन: यदि आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों के दौरान सीने में दर्द, सांस फूलना या असामान्य थकान महसूस होने लगे तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

लोग अक्सर सीने के दर्द को गैस समझ लेते हैं। क्या यह सही है?

● डॉ. सरजू रल्हन: कई बार गैस जैसी परेशानी हो सकती है, लेकिन अगर यह बार-बार हो रही है या सीने में असहजता बनी रहती है तो कार्डियक जांच जरूर करवानी चाहिए। समय पर जांच बहुत जरूरी है।

क्या हार्ट अटैक आने से पहले शरीर संकेत देता है?

● डॉ. सरजू रल्हन: हां, सीने में दर्द, अत्यधिक पसीना आना, बेचैनी और सांस लेने में परेशानी जैसे संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में देर किए बिना अस्पताल जाना चाहिए।

आज की लाइफस्टाइल दिल को कितना प्रभावित कर रही है?

● डॉ. सरजू रल्हन: मोटापा, शारीरिक निष्क्रियतङ्का, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज हार्ट की बीमारियों के बड़े कारण हैं। अच्छी बात यह है कि इन जोखिमों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

एक सामान्य व्यक्ति को दिल स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए?

● डॉ. सरजू रल्हन: फास्ट फूड कम करें, रोज कम से कम 10 हजार कदम चलें, सुबह की सैर करें और अपने शरीर को सक्रिय रखें। छोटी-छोटी आदतें भी बड़ा फर्क लाती हैं।

क्या नियमित कार्डियक चेकअप जरूरी है?

● डॉ. सरजू रल्हन: बिल्कुल। समय-समय पर कार्डियक चेकअप, बेसलाइन टेस्ट और जरूरत पड़ने पर ट्रेडमिल टेस्ट जैसी जांच शुरूआती स्तर पर बीमारी पकड़ने में मदद करती हैं।

क्या स्मार्टवॉच वास्तव में दिल की निगरानी में मदद करती हैं?

● डॉ. सरजू रल्हन: आज की स्मार्टवॉच हार्ट रेट और कुछ प्रकार की रिद्म संबंधी गड़बड़ियों के संकेत दे सकती हैं। यह जागरूकता बढ़ाने का अच्छा माध्यम है, हालांकि इन्हें डॉक्टर की जांच का विकल्प नहीं माना जा सकता।

● **अंतिम संदेश:** दिल शरीर का ऐसा अंग है जिसकी क्षति कई बार वापस नहीं सुधरती। इसलिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, समय पर जांच करवाना और शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करना बेहद जरूरी है।

फिको प्रतिनिधिमंडल जर्मनी रवाना, EUROBIKE 2026 में दिखेगा भारतीय साइकिल उद्योग का दम

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गेनाईजेशन (फिको) का प्रतिनिधिमंडल विश्व के सबसे बड़े साइकिल और ई-बाइक व्यापार मेले एवफ्इक्ल्ह्ए 2026 में भाग लेने के लिए जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पहुंच गया है। यह अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी 24 से 27 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल को रवाना करने की प्रक्रिया जिला उद्योग केंद्र, लुधियाना के जनरल मैनेजर एस. एस. रिखी और फिको चेयरमैन के.के. सेठ की मौजूदगी में पूरी हुई। इस मौके पर फिको अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह कुलार और UCPMA कन्वीनर सरदार अवतार सिंह भगोल भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजेश सेठ कर रहे हैं। फिको अध्यक्ष गुरमीत सिंह कुलार ने

कहा कि EUROBIKE दुनिया का प्रमुख मंच है, जहां साइकिल और ई-मोबिलिटी सेक्टर से जुड़े निमार्ता और विशेषज्ञ नई तकनीक और व्यापार अवसर साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस भागीदारी से भारतीय, खासकर लुधियाना के साइकिल उद्योग को तकनीकी जानकारी, निर्यात अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस यात्रा से उद्योग को आधुनिक तकनीक अपनाने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने में बड़ा लाभ मिलेगा।

किचलू नगर में अवैध निर्माण पर नगर निगम की कार्रवाई, इमारत का हिस्सा गिराया

लुधियाना, 26 जून। अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर निगम की सख्ती लगातार जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने किचलू नगर क्षेत्र में एक इमारत के अवैध रूप से बनाए जा रहे हिस्से को ढहा दिया। यह कार्रवाई नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार के निर्देशों पर की गई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार किचलू नगर की वेलफेयर सोसायटी की ओर से इस निर्माण को लेकर शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संबंधित इमारत का निर्माण बिल्डिंग नियमों की अनदेखी करते हुए किया जा रहा

है। जांच के बाद नगर निगम टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और हाउस लाइन में आने वाले अवैध हिस्से को गिरा दिया। अधिकारियों ने बताया कि शहर में नियमों के विपरीत बन रही इमारतों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जहां भी बिना मंजूरी या नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिलती है, वहां विभागीय प्रक्रिया के बाद कार्रवाई की जाती है।

पेज 06 श्री अमर ज्योति सेवा दल ने लगाया भंडारा और...

सड़क पर सरेआम झुग्गियां बनाकर कर डाले कब्जे, निगम के तहबाजारी अधिकारी बोले - इन्हें हटाना पुलिस का काम

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। लुधियाना में नगर निगम के अधिकारी अक्सर ही अपनी गलती छिपाने और कार्रवाई करने से बचने के लिए दूसरे विभागों पर बात फेंक देते हैं। ऐसा ही कुछ पक्खोवाल रोड पर हुए ताजा घटनाक्रम में देखने को मिल रहा है। दरअसल, जवद्दी नहर पुल से आरओबी की तरफ आते हुए सड़क के किनारे कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जे करके झुग्गियां बना ली गई हैं। झुग्गियां बनाने के साथ साथ वहां पर बैड, सोफे तक लगा दिए गए हैं। इस मामले संबंधी निगम जोन-डी की तहबाजारी टीम से संपर्क किया गया। उच्च अधिकारी कार्रवाई करने की जगह आगे से बोले कि यह मामला पुलिस विभाग का है। पुलिस द्वारा ही इन अवैध कब्जों को हटवाया जाएगा। हैरानी की बात तो यह है कि अवैध कब्जे और अवैध इमारतों को हटवाना निगम का काम है और वे जानबूझकर अपना बचाव करने के लिए दूसरों पर बात फेंककर जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। अज्ञात लोग इन झुग्गियों में रह रहे हैं और इससे वारदातें भी बढ़ेगी। इस मामले संबंधी समाजसेवी और आम आदमी पार्टी के नेता रविंद्रपाल सिंह घई द्वारा डीसी हिमांशु जैन को लिखित शिकायत दी गई है।

सड़क पर कब्जे कर बनाई झुग्गियां

एक राजनेता व अफसर की मिलीभगत से हुए कब्जे

चर्चा है कि यह कब्जे दो दिन पहले रातों रात हुए हैं। वहां से रोजाना गुजरने वाले लोगों ने यूटर्न टाइम अखबार को कॉल कर बताया कि एक रात पहले सड़क एकदम साफ थी। लेकिन अगली ही सुबह 10-12 झुग्गियां बनी हुई थी। अब वहां पर 25 से 30 लोग रह रहे हैं।

दुकानें भी खोली

हैरानी की ाात तो यह है कि कब्जाधारियों द्वारा झुग्गियां तो बनाई ही है, उसके साथ ही करियाना, आंडे और केले की दुकानें भी लगा ली है। एक तरफ केंद्र सरकार शहर को स्मार्ट सिटी बनाने पर जोर दे रही है। लेकिन दूसरी तरफ लोकल अधिकारी व नेतागन ऐसे अवैध कब्जे करवाकर शहर की सुंदरता को खराब कर रहे हैं।

मामले की होनी चाहिए जांच - रविंदर पाल घई

हल्का वेस्ट से सामाजिक कार्यकर्ता और आप नेता रविंदर पाल सिंह घई ने कहा कि फिरोजपुर रोड फ्लाईओवर के नीचे, आरती चौक के आसपास तथा शहर के कई अन्य स्थानों पर सार्वजनिक भूमि और सड़कों के किनारे अस्थायी बस्तियां तेजी से विकसित हो रही हैं। इन स्थानों पर रहने वाले लोगों की पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन होना आवश्यक है। इसकी जांच के लिए डीसी लुधियाना को शिकायत की है।

तहबाजारी टीम की एक और कार्रवाई निकली आईवॉश

वहीं करीब पांच महीने पहले निगम जोन-ए की तहबाजारी टीम के इंस्पेक्टर विपिन हांडा द्वारा इलेक्ट्रानिक मार्केट के मोड़ पर सालों से कब्जा करके बैठे गोल-गप्पे वाले पर कार्रवाई की थी। तब इंस्पेक्टर हांडा ने कहा था कि यह कब्जे दोबारा नहीं होंगे। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि कुछ समय बाद ही उक्त रेहड़ी दोबारा से लग गई। चर्चा है कि इलेक्ट्रानिक मार्केट के कुछ दुकानदारों की रेहड़ी वाले से सेटिंग है। जिन्हें हफ्ता जाता है और वे रेहड़ी हटने नहीं देते। चर्चा है कि उक्त दुकानदार सत्ताधारी पार्टी के एक नेता के करीबी होने के चलते निगम अधिकारी उनकी बात मानते हैं।

डड्डूमाजरा तोगा रोड की मोटर मार्केट में भीषण आग, कई दुकानें जली

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। चंडीगढ़ के डड्डूमाजरा रोड स्थित तोगा रोड पर शुक्रवार को मोटर मार्केट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई दुकानें इसकी चपेट में आ गई। मार्केट में बड़ी संख्या में पुरानी गाड़ियां, उनके इंजन, टायर और अन्य स्पेयर पाट्र्स रखे होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

सैंकड़ों डॉक्टरों की रजिस्ट्रेशन खतरे में: 50 क्रैडिट आवर नहीं किए पूरे, प्रैक्टिस पर लग सकते हैं प्रश्न चिन्ह !

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 26 जून : पंजाब के हजारों डॉक्टर के अलावा शहर में प्रैक्टिस कर रहे सैकड़ो डॉक्टर कंटीन्यूइंग मैडीकल एजुकेशन के तहत अपने आप को अपग्रेड न करने के कारण उनकी रजिस्ट्रेशन पर खतरा मडराने लगा है इसका कारण उन्होंने अपने 50 क्रेडिट आवर पूरे नहीं किए हैं

कई चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि अधिकतर डॉक्टरो ने अपने आप को अपग्रेड करने के लिए विभिन्न मैडीकल सैमीनार में भाग नहीं लिया, ऐसे में उनकी अगर रजिस्ट्रेशन का नवीकरण पंजाब मैडीकल कौंसिल द्वारा नहीं किया जाता तो वह अपनी प्रेक्टिस नहीं कर पाएंगे इसके अलावा अगर वह 50 क्रैडिट आवर पूरे नही करते तो उनके लाइसेंस के नवीकरण में दिक्कत आ सकती है पंजाब मैडीकल कौंसिल के नियमों के अनुसार जिन डॉक्टरों ने कैडिट आवर पूरे नहीं कर पाए हैं। उन्हें इसे पूरा करने के लिए एक वर्ष का समय दिया जाता है, अगर फिर भी वह इसमें नाकाम रहते हैं तो उनकी रजिस्ट्रेशन के नवीकरण को खतरा हो सकता है। उसे रोका जा सकता है ऐसे में डॉक्टर प्रेक्टिस नहीं कर सकता मैडीकल सैमीनार में मैडीकल एडवांसमेंट की जानकारी देने के लिए विभिन्न विशेषज्ञ एक छत के नीचे इकट्ठे होकर मैडीकल एडवांसमेंट के बारे में जानकारी देने के अलावा चर्चा करते हैं। इन दोनों प्रकार के सैमीनारों में डॉक्टरों की संख्या को बढ़ा चढ़ा कर बताया जाता है।

क्या है नियम...उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार हर डॉक्टर को अपने आप को अपग्रेड करने के लिए 5 साल में 50 क्रैडिट आवर लेने होते हैं हर मैडीकल सैमीनार आदि के लिए क्रैडिट आवर पंजाब मैडीकल कौंसिल द्वारा तय किए जाते हैं जिन्हें कौंसिल द्वारा मैडीकल एजुकेशनल एक्टिविटी में भाग लेकर समय देने के आधार पर तय किया जाता है। अगर डॉक्टर जानबूझकर अपने लाइसेंस का नवीकरण नहीं कराता तो वह विना रजिस्ट्रेशन के प्रैक्टिसनहीं कर सकेंगे। उन्होंने बताया की काउंसिल द्वारा एक पोर्टल वनाकर सभी डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है जिसमे उनको अपने आधार कार्ड के साथ रजिस्टर करना लाजिमी होगा ऐसे में वर्तमान में पेश आ रही दिक्कतों से भी छुटकारा मिल जाएगा उसे सभी डॉक्टरों की सही संख्या का आकलन भी ले जाएगा। कोविड के दौरान सन 2020 और 2021 के लिए पंजाब मैडीकल कौंसिल द्वारा डॉक्टर को 20 क्रैडिट आवर्स की छूट प्रदान की गई परंतु इसके बावजूद अधिकतर डॉक्टरों ने शेष क्रैडिट आवर पूरे नहीं किए जबकि विशेषज्ञों की मानें तो हर डॉक्टर के लिए मैडीकल के क्षेत्र में क्रेडिट अवर पूरे करने जरूरी है।

सेमिनार के नाम पर करते हैं प्रमोशन...पंजाब मैडीकल कौंसिल के अनुसार डॉक्टर के लिए यह लाजिमी है कि अपने अस्पताल की प्रमोशन नहीं कर सकता और न ही पंजाब मैडीकल कौंसिल की अनुमति के बिना किसी दूसरे शहर में ओ.पी. डी. अथवा ऑप्रेशन आदि का आयोजन किया जा सकता है। वर्तमान में राज्य में 55000 से लेकर 60000 के करीब डॉक्टर कार्यरत हैं, परंतु ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 25000 के करीब डॉक्टर ही कौंसिल के पास रजिस्टर्ड हैं। इनमें से बहुत से डॉक्टर या तो विदेशों में चले गए या इनमें से कई डॉक्टरों की मौत हो चुकी है और उनके रजिस्ट्रेशन अभी पेंडिंग हैं।

सैमीनारों में जाने से कतराते हैं डॉक्टर...देखने में आया कि मैडीकल सैमीनारों में जाने से डॉक्टर कतराते हैं। आई.एम.ए. के एक वरिष्ठ पदाधिकारी रह चुके डॉक्टर ने वताया कि या तो डॉक्टर सैमीनार में आते नहीं या आकर थोड़ी देर में उठकर चले जाते हैं और बाद में उनका नाम सैमीनार में भाग लेने वालों में शामिल करने की सिफारिश करते हैं इसके अलावा जिन डॉक्टर की प्रैक्टिस काफी अच्छी है वह भी मैडीकल सेमीनार में भाग नहीं लेते।

डेढ़ करोड़ की साइबर ठगी में छठा आरोपी यूपी से गिरफ्तार, 7 दिन के पुलिस रिमांड पर

आरोपी के खाते में देशभर से 1.41 करोड़ रुपये की फ्रॉड राशि मिली, यूपी और दिल्ली में पहले से दर्ज हैं मामले

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/26 जून। पंचकूला पुलिस ने करीब 1.50 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ट्रेडिंग साइबर ठगी के मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए गिरोह के छठे आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान संदीप कुमार निवासी हरदोई (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। अदालत ने आरोपी को 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के बैंक खाते में देशभर से साइबर ठगी के जरिए जमा हुई 1.41 करोड़ रुपये की राशि का पता चला है।

उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश और दिल्ली में साइबर ठगी के दो मामले और नौ शिकायतें पहले से दर्ज हैं। साइबर थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह ने बताया कि पंचकूला निवासी एक व्यक्ति ने सितंबर 2024 में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार नवंबर 2023 में टेलीग्राम के जरिए संपर्क कर आरोपियों ने अमेरिका में ट्रेडिंग कारोबार का झांसा दिया और बिट-सन्नी ऐप डाउनलोड करवाया।

मोरनी घूमने गए युवक का गुम हुआ एप्पल आईफोन, पंचकूला पुलिस ने ढूंढकर सुरक्षित लौटाया

पंचकूला/यूटर्न/26 जून। पंचकूला पुलिस आमजन की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी खोई हुई संपत्ति को सुरक्षित वापस दिलाने के लिए भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में मोरनी चौकी पुलिस ने अपनी तत्परता और जनसेवा की भावना का परिचय देते हुए करीब दो सप्ताह पहले खोए एक एप्पल आईफोन 15 को उसके वास्तविक मालिक तक सुरक्षित पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता के अनुसार पंचकूला के सेक्टर-17 स्थित राजीव कॉलोनी निवासी करण करीब दो सप्ताह पहले मोरनी क्षेत्र में घूमने गए थे। इसी दौरान उनका एप्पल आईफोन 15 कहीं गिरकर खो गया। गश्त के दौरान मोरनी चौकी पुलिस टीम को यह मोबाइल फोन लावारिस अवस्था में मिला। मोबाइल फोन बंद था तथा पासवर्ड से सुरक्षित होने के कारण उसके मालिक की तत्काल पहचान करना संभव नहीं था। इसके बावजूद मोरनी चौकी पुलिस ने हार नहीं मानी और तकनीकी सहायता के माध्यम से मोबाइल धारक की जानकारी जुटाने के प्रयास लगातार जारी रखे। पुलिस की मेहनत रंग लाई और मोबाइल के वास्तविक मालिक की पहचान होने के बाद मोरनी चौकी प्रभारी सब-इंस्पेक्टर जगदीश कुमार ने 25 जून को करण को चौकी बुलाकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के उपरांत उनका एप्पल आईफोन 15 सुरक्षित वापस सौंप दिया।

पंचकूला में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक माह का विशेष अभियान शुरू

पंचकूला/यूटर्न/26 जून। पंचकूला पुलिस ने अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक माह का विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य बुजुर्गों की नियमित निगरानी, आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराना और उन्हें साइबर अपराधों व अन्य आपराधिक गतिविधियों से सुरक्षित रखना है। अभियान के तहत पुलिस टीमें क्षेत्र में अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का सर्वे कर उनका डाटा ऑनलाइन एकत्रित करेंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। साथ ही उनके घरों में कार्यरत घरेलू सहायकों, ड्राइवरों, रसोइयों, माली, सफाई कर्मचारियों और अन्य स्टाफ का पुलिस सत्यापन भी अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों की सहमति से उनके घरों में सीसीटीवी कैमरे और अन्य सुरक्षा उपकरण लगाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी और अन्य आधुनिक अपराधों के प्रति जागरूक किया जाएगा तथा अज्ञात व्यक्तियों और डिलीवरी कर्मियों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाएगी। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को संबंधित थाना या चौकी प्रभारी का संपर्क नंबर उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे सीधे पुलिस से संपर्क कर सकें। इसके अलावा सहायता के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर 9115777026 भी जारी किया गया है। अभियान के दौरान संबंधित थाना और बीट स्टाफ समय-समय पर वरिष्ठ नागरिकों के घर जाकर उनका कुशलक्षेम जानेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे। अभियान के समापन पर एक विशेष सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका में फर्जी शरण मामले दायर करने के लिए भारतीय मूल के आव्रजन वकील विनोद डोडामानी पर 250,000 डॉलर का जुर्माना लगाया

नवीन गोगना

न्यूयॉर्क, 26 जून। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को निर्वासित करने के साथ-साथ कथित तौर पर फर्जी शरण मामले दायर करने के लिए भारतीय मूल के आव्रजन वकील विनोद डोडामानी पर 250,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। वकील विनोद डोडामानी पर 32 आव्रजन मामलों में कुल 64 फर्जी दस्तावेज दाखिल करने का आरोप है। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के मुताबिक, जुर्माना वसूलने के लिए विनोद डोडामानी को पांच अलग-अलग नोटिस जारी किए गए हैं।

हरियाणा में 28 जून से पल्स पोलियो अभियान, 36 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। हरियाणा में 28 जून 2026 से पल्स पोलियो राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (ठक्क) अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 36 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि इस दिन पूरे राज्य में 17,331 बूथों पर बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जाएंगी। इसके बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ पर नहीं पहुंच पाए।

अभियान की निगरानी के लिए करीब 3,400 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं, जबकि राज्य स्तर के अधिकारी भी जिलों में जाकर कार्य की मॉनिटरिंग करेंगे ताकि कोई भी बच्चा छूट न जाए। डॉ. यादव ने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान में पूरा सहयोग दें और अपने 0 से 5 साल तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर जरूर लेकर आएं। उन्होंने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने और पाकिस्तान व अफगानिस्तान जैसे देशों से संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए यह अभियान बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, आंगनवाड़ी केंद्रों, किंडरगार्टन और क्रेच से भी अपील की है कि वे स्वास्थ्य टीमों को पूरा सहयोग दें, ताकि हर बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाई जा सके। इस अभियान में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायती राज, शहरी स्थानीय निकाय, रेलवे, परिवहन सहित कई विभागों का भी सहयोग लिया जाएगा।

रामगढ़ में युवक से मारपीट मामले में कार्रवाई, पुलिसकर्मी जयवीर सिंह बर्खास्त

पंचकूला/यूटर्न/26 जून। पंचकूला पुलिस ने अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए रामगढ़ चौकी क्षेत्र में तैनात ईआरवी कर्मी एसपीओ जयवीर सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। युवक के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध व्यक्ति के क्षेत्र में घूमने की सूचना दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां संबंधित व्यक्ति नशे की हालत में मिला। इसी दौरान एसपीओ जयवीर सिंह द्वारा उसके साथ मारपीट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने पूरे मामले की समीक्षा की और तत्काल प्रभाव से एसपीओ जयवीर सिंह को सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कहा कि पंचकूला पुलिस में अनुशासनहीनता, दुर्व्यवहार और वर्दी की शक्ति के दुरुपयोग के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना है। यदि कोई पुलिसकर्मी निर्धारित आचरण के विपरीत कार्य करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंचकूला पुलिस आमजन के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और विभाग में जवाबदेही तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

पेज 12 ऑस्ट्रेलिया के बाद यूएई ने बच्चों के सोशल...

657 करोड़ रुपये का बैंक घोटाला: हरियाणा के आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार 'फरार', फोन 'स्विच ऑफ'

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। 657 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले के आरोपी और सस्पेंड किए गए आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार कथित तौर पर फरार हैं और उनका फोन स्विच ऑफ है। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी कुमार की गिरफ्तारी की संभावना है, क्योंकि सीबीआई ने 2012 बैच के आईएएस अधिकारी राम कुमार सिंह और 2000 बैच के आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। सिंह और अग्रवाल दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारियों ने कथित तौर पर हरियाणा सरकार के अधिकारियों (जिनमें आईएएस अधिकारी भी शामिल हैं) के साथ मिलकर हरियाणा के आठ विभागों और चंडीगढ़ प्रशासन के दो विभागों के खातों से 657 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। इस मामले की जांच कर रहे ईडी ने घोटाले की रकम 645 करोड़ रुपये बताई है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि कुमार अपने घर से गायब हैं और फरार चल रहे हैं, साथ ही उनका फोन भी स्विच ऑफ है।

एचएसपीसीबी से जुड़ी भूमिका

कुमार की भूमिका हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (HSPCB) में हुए 169 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ी है, जहां उन्होंने 31 अगस्त 2022 से 10 दिसंबर 2025 तक सदस्य सचिव के तौर पर काम किया था। उन्हें हरियाणा सिविल सेवा से आईएएस में प्रमोट किया गया था। उन्होंने 1999 में करनाल में सिटी मजिस्ट्रेट के तौर पर अपना करियर शुरू किया था।

पहले डेटा एंट्री ऑपरेटर किया गिरफ्तार

CBI ने इससे पहले 23 जून को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा एंट्री ऑपरेटर सौरव शर्मा को गिरफ्तार किया था। अगले दिन, पंचकूला की एक अदालत ने उन्हें चार दिन की उइक हिरासत में भेज दिया। आरोपी बैंक अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके, उन्होंने कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन करते हुए निजी बैंकों के पक्ष में निवेश की प्रक्रिया में मदद की, जिससे प्रदूषण बोर्ड को 169.36 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

कई कंपनियों के भेजी गई पेमेंट

HSPCB के खाते से पैसे कैपको फिनटेक सर्विसेज, दिशा ट्रेडर्स, मन्नत कॉन्ट्रैक्टर, रफ्फ़्लानिंग गुरुस प्राइवेट लिमिटेड, विटामेड सॉल्यूशंस और स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स को भेजे गए थे। इसमें से 70 करोड़ रुपये से ज्यादा 'स्वस्तिक देश प्रोजेक्ट्स' को और 53 करोड़ रुपये से ज्यादा 'कैपकप फिनटेक सर्विसेज' को दिए गए। ये शेल कंपनियाँ (फर्जी कंपनियाँ) थीं जिन्हें आरोपियों ने पैसे की हेराफेरी करने के लिए बनाया था। एक और आईएएस अधिकारी, विनीत गर्ग, जो ल्नरढउइ के चेयरमैन थे, भी जाँच के दायरे में हैं। सरकार ने पहले ही 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' की धारा 17अ के तहत उनकी जाँच करने की मंजूरी दे दी थी।

नशे पर बड़ा वार: गांव-शहर में बनेगी ज्वाइंट टास्क फोर्स, ड्रग माफिया पर कड़ा शिकंजा - मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़/यूटर्न/27 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि गांव और शहर दोनों स्तरों पर ज्वाइंट टास्क फोर्स बनाई जाएंगी, जो नशे की बिक्री रोकने और ड्रग कारोबार में शामिल लोगों पर कार्रवाई करेंगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन टास्क फोर्स का मकसद नशे के नेटवर्क को पूरी तरह तोड़ना है, ताकि ड्रग माफिया में डर पैदा हो और वे इस अवैध धंधे को छोड़ दें। वे शुक्रवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में ह्यहरियाणा विजन-2047ह्ल के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभाग की योजनाओं, बजट घोषणाओं और मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। बैठक में सभी को नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग की शपथ भी दिलाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा रोकने के लिए इसके पूरे नेटवर्क को खत्म करना जरूरी है। इसी के तहत ग्रामीण स्तर पर सरपंच, वार्ड सदस्य, बीडीपीओ, एसएचओ और एनजीओ को तथा शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय के अधिकारी, पार्षद और एनजीओ को शामिल किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नशा पीड़ितों के लिए और अधिक नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र खोले जाएंगे। इलाज के बाद मरीजों की तीन महीने तक विशेष निगरानी और उन्हें रोजगार व कौशल प्रशिक्षण देने की योजना भी बनाई जाएगी, ताकि वे दोबारा नशे की ओर न लौटें। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में फिलहाल 119 नशा मुक्ति केंद्र, 29 रिहैब सेंटर और 2 मनोरोग अस्पताल संचालित हैं। सरकार ने नशा छोड़ चुके लोगों की निगरानी के लिए एक विशेष मॉनिटरिंग सिस्टम भी तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने पेंशन, छात्रवृत्ति, दिव्यांग कल्याण, बुजुर्गों की सुविधा और अन्य सामाजिक योजनाओं की भी समीक्षा की और इनके लाभ समय पर पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

जगरांव बस स्टैंड: बदहाली की दास्तां

प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का कर रहा इंतजार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/26/जून। लाला लाजपत राय जी के नाम पर स्थापित जगरांव बस स्टैंड आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही और अनदेखी के चलते यह बस स्टैंड सुविधाओं के बजाय समस्याओं का गढ़ बन चुका है। हमारे संवाददाता ने जब बस स्टैंड का दौरा किया, तो वहां की स्थिति देखकर हर कोई हैरान रह गया।

व्यवस्थाओं का दम तोड़ता ढांचा... बस स्टैंड की स्थिति बेहद दयनीय है, जहाँ सुरक्षा और स्वच्छता के नाम पर कुछ भी नहीं है। सफाई का नामोनिशान नहीं: सार्वजनिक शौचालय गंदगी और दुर्गंध से अटे पड़े हैं। एग्जॉस्ट फैन न होने के कारण वहां खड़ा होना भी दूभर है।

खुले मौत के मुंह: बस स्टैंड के परिसर में बने सीवर के ढक्कन या तो गायब हैं या पूरी तरह टूट चुके हैं। यह किसी भी यात्री, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए मौत के कुएं जैसा है।

नंगी बिजली की तारें: जगह-जगह बिजली की नंगी तारें और खुले मेन स्विच बोर्ड किसी भी समय बड़ी दुर्घटना को निमंत्रण दे रहे हैं।

दिखावटी सुरक्षा: सीसीटीवी कैमरे सिर्फ शोभा की वस्तु बने हुए हैं, जो किसी भी प्रकार की निगरानी में सक्षम नहीं हैं।

जर्जर इमारत और पुराना अग्निशमन: छत के पत्थर टूटकर गिर रहे हैं, जो किसी भी यात्री के सिर पर काल बनकर गिर सकते हैं। साथ ही, रखे गए फायर सिलेंडर इतने पुराने हैं कि उन पर एक्सपायरी डेट तक मिट चुकी है।

प्रशासनिक उदासीनता की पराकाष्ठा: जब इस संदर्भ में रोडवेज के जीएम जगराज सिंह से बात की गई, तो उनका रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना रहा। उन्होंने ढक्कन चोरी होने का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लिया और बिजली व सफाई की खराब स्थिति पर केवल ₹जांच करने₹ का रटा-रटाया जवाब दिया।

ऐसा प्रतीत होता है कि रोडवेज विभाग के अधिकारियों ने महीनों से बस स्टैंड का दौरा तक नहीं किया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि कोई बड़ी अनहोनी होती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या प्रशासन का ध्यान तब तक नहीं जाएगा जब तक कोई अपनी जान नहीं गंवा देता?

श्री अमर ज्योति सेवा दल ने लगाया भंडारा और ठंडे मीठे जल की छबील: वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रवीण शर्मा टीटू ने भी सेवा निभाई

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। आस्था,त्याग और मानवता की सेवा के नजरिए से श्री अमर ज्योति सेवा दल द्वारा सैक्टर 24 स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर के पास चिलचिलाती गर्मी में ठंडे मीठे जल की छबील और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परवीन शर्मा टीटू ने भंडारे के साथ साथ छबील का शुभारभ किया और वितरण में सेवा भी निभाई। इस सेवा कार्य में यूटी पुलिस के कांस्टेबल राजेश कुमार ने भी हिस्सा लिया।

श्री अमर ज्योति सेवा दल के परम श्रद्धेय सतगुरु नवीन सरहदी ने कहा कि निष्काम समाज सेवा का सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों को पानी पिलाना और भोजन छकाना समाज सेवा और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

श्री दंडी स्वामी मंदिर दरबार में 1962 से चली आ रही छबील सेवा लुधियाना की गौरवशाली परंपरा:- विधायक मदन लाल बग्गा

निर्जला एकादशी पर श्री दंडी स्वामी मंदिर में 13 घंटे चली विशाल मीठे जल की छबील

लुधियाना /यूटर्न/26 जून। श्री सिद्ध पीठ श्री दंडी स्वामी मंदिर, सिविल लाइंस में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर पंडित श्री राज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विशाल मीठे जल की छबील लगाई गई। सुबह 9 बजे शुरू हुई यह सेवा रात 10 बजे तक लगातार चलती रही। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राहगीरों ने ठंडे मीठे जल का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। छबील के समापन अवसर पर हल्का नॉर्थ के विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने मंदिर में श्री दंडी स्वामी महाराज जी के दरबार में नतमस्तक होकर माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं भी राहगीरों को मीठे जल का प्रसाद वितरित कर सेवा में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने कहा कि श्री दंडी स्वामी महाराज जी के पावन दरबार में वर्ष 1962 से निर्जला एकादशी पर विशाल मीठे जल की छबील लगाने की परंपरा लगातार निभाई जा रही है। यह लुधियाना शहर के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सेवा कार्य समाज में प्रेम, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। प. राज कुमार शर्मा जी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सेवा में सहयोग दिया, जिससे छबील का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धा, सेवा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

क्या यही कलयुग है?

आज समाज में घट रही घटनाएँ मन को झकझोर देती हैं। क्या सचमुच यही कलयुग है कि यदि रिश्तों में खटास आ जाए, जीवनसाथी से मन ऊब जाए, तो उसका समाधान हत्या बन जाए? विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें प्रेम, विश्वास, त्याग और धैर्य की आवश्यकता होती है। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन उनका अंत हिंसा से करना मानवता के लिए सबसे बड़ा कलंक है। विडंबना यह है कि आज लोग पहले से अधिक शिक्षित और जागरूक हैं। तकनीक, कानून और अधिकारों की जानकारी बढ़ी है, लेकिन संवेदनाएँ, सहनशीलता और रिश्तों का सम्मान कहीं पीछे छूटता दिखाई देता है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध, अहंकार और स्वार्थ इतना बढ़ गया है कि लोग संवाद और समझौते की जगह अपराध का रास्ता चुन लेते हैं। किसी भी रिश्ते में समस्या आए तो उसका समाधान बातचीत, परामर्श या कानूनी तरीके से अलग होना हो सकता है, लेकिन किसी की जान लेना कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। समाज को केवल आधुनिक बनने की नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों को अपनाने की भी आवश्यकता है। यदि हमारी संवेदनाएँ ही समाप्त हो जाएँ, तो शिक्षा और जागरूकता का कोई अर्थ नहीं रह जाता। सच्ची प्रगति वही है, जहाँ ज्ञान के साथ मानवता भी जीवित रहे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या शादी के बाद पत्नी को ससुराल में रहना कानूनी रूप से अनिवार्य है? भारतीय समाज में अक्सर यह माना जाता है कि विवाह के बाद पत्नी का स्थायी निवास केवल ससुराल ही होना चाहिए। लेकिन कानूनी दृष्टि से यह प्रश्न इतना सरल नहीं है।

कानून किसी विवाहित महिला को यह आदेश नहीं देता कि उसे हर परिस्थिति में ससुराल में ही रहना होगा। वैवाहिक जीवन आपसी सम्मान, सहयोग और सहमति पर आधारित होता है। यदि पति-पत्नी किसी अन्य शहर में नौकरी करते हैं, किराये के घर में रहते हैं, या अलग निवास स्थापित करते हैं, तो यह पूरी तरह वैध है। इसी प्रकार, यदि पत्नी को घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, या अन्य गंभीर कारणों से ससुराल में रहना असुरक्षित लगता है, तो उसे वैकल्पिक निवास चुनने का अधिकार हो सकता है। अदालतें भी यह मानती हैं कि विवाह का अर्थ किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का पूर्ण अंत नहीं है। प्रत्येक मामले में परिस्थितियों, सुरक्षा और वैवाहिक दायित्वों को ध्यान में रखा जाता है। हालांकि, यदि पति-पत्नी के बीच निवास को लेकर विवाद हो, तो अदालत यह देख सकती है कि कौन-सा समाधान दोनों पक्षों और परिवार के हित में है। कई लोग सामाजिक परंपराओं को कानूनी बाध्यता समझ लेते हैं, जबकि कानून और सामाजिक अपेक्षाएं हमेशा एक जैसी नहीं होतीं।

निष्कर्ष: शादी के बाद पत्नी का हर परिस्थिति में ससुराल में रहना कानूनी रूप से अनिवार्य नहीं है। निवास का प्रश्न परिस्थितियों, सुरक्षा, पारिवारिक जरूरतों और वैवाहिक संबंधों के आधार पर तय होता है।

आर.के. मल्होत्रा होजरी विवाद के बाद नया मोड़

मां बगलामुखी के महंत के खिलाफ अभद्र भाषा बोलने और छवि खराब करने पर दो पार्षद और पार्षद पति सहित 13 लोगों पर FIR

पार्षद गौरवजीत गौरा

पार्षद पति जतिंदर गोरियान

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। लुधियाना में कुछ दिन पहले तीन करोड़ की ठगी के आरोप में पुलिस ने होजरी कारोबारी प्रतीक टंडन की शिकायत पर होजरी कारोबारी साहिल मल्होत्रा, प्रदुमन मल्होत्रा और मिनाक्षी मल्होत्रा के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। यह विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अब इसी विवाद से आगे खड़े हुए नए विवाद में पुलिस ने कार्रवाई कर दी है। पुलिस ने मां बगलामुखी मंदिर के महंत प्रवीण चौधरी खिलाफ अपमानजक शब्दावली प्रयोग करने के आरोप में भाजपा पार्षद सिमरनजीत सिंह सिम्मू, गौरवजीत गौरा और पार्षद पति जतिंदर गोरियान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि सभी आरोपी अभी फरार है। उनकी तलाश की जा रही है। हैरानी की बात तो यह है कि जनता द्वारा चुने गए नुमाइंदों द्वारा ही अगर ऐसे धार्मिक मामलों में अपात्तिजनक टिप्पणियां की जाएंगी, तो आम जनता को वे क्या संदेश देगें।

थाने से आरोपियों को छुड़वा ले गए कई लोग...जानकारी के अनुसार प्रतीक टंडन द्वारा साहिल मल्होत्रा, प्रदुमन मल्होत्रा और मिनाक्षी मल्होत्रा के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज करवाया गया था। जिसके बाद पुलिस ने मामले में धाराएं बढ़ाकर दिल्ली से साहिल और प्रदुमन की गिरफ्तारी की। फिर उन्हें थाना सुंदर नगर लाया गया। प्रतीक का आरोप है कि चेतन बवेजा, जतिंदर गोरियान व उनके कई साथी थाने में आए और सरेआम दोनों आरोपियों को छुड़वाकर अपने साथ ले गए। जिसकी वीडियोज भी है।

चोरी का पर्चा होने पर सीपी ऑफिस आगे किया प्रदर्शन...जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा प्रतीक टंडन की चेन व नकदी चुराने के आरोप में कॉपी राइट एजेंट चेतन बवेजा समेत 25 लोगों पर चोरी का मामला दर्ज किया था। जिसके बाद आरोपियों के रिश्तेदारों और चेतन बवेजा के हक में भाजपा पार्षद सिमरनजीत सिंह सिम्मू, गौरवजीत गौरा और पार्षद पति जतिंदर गोरियान द्वारा सीपी ऑफिस के बाहर आकर बिना किसी बात के मां बगलामुखी मंदिर के महंत प्रवीण चौधरी खिलाफ अपमानजक शब्दावली प्रयोग की।

युद्ध नशो विरुद्ध' अभियान के तहत स्वास्थ्य मंत्री ने मेथाडोन मेंटेनेंस थेरेपी (MMT) क्लीनिक का किया उद्घाटन

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। नशे के विरुद्ध वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज 'युद्ध नशो विरुद्ध' अभियान के तहत सिविल अस्पताल, लुधियाना में मेथाडोन मेंटेनेंस थेरेपी (MMT) क्लिनिक का उद्घाटन किया। यह विशेष क्लिनिक ओपिओइड निर्भरता से जूझ रहे व्यक्तियों को व्यापक उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा। यह पहल नशामुक्त, स्वस्थ और समृद्ध पंजाब के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार नशे की चुनौती से निपटने के लिए रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और समाज में पुनर्स्थापन पर आधारित समग्र रणनीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे की लत एक उपचारयोग्य चिकित्सीय स्थिति है तथा इससे प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर, सम्मानजनक, वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेथाडोन मेंटेनेंस थेरेपी क्लिनिक की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने तथा किसी भी व्यक्ति को आर्थिक या सामाजिक कारणों से गुणवत्तापूर्ण उपचार से वंचित न रहने देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मेथाडोन मेंटेनेंस थेरेपी (MMT) ओपिओइड निर्भरता के उपचार की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और वैज्ञानिक रूप से प्रभावी पद्धति है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अनुशंसित तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित इस उपचार पद्धति में चिकित्सकीय निगरानी में मेथाडोन दवा दी जाती है। इससे नशे की तीव्र इच्छा (क्रेविंग) और विदड्रॉल के लक्षणों में कमी आती है, दोबारा नशे की ओर लौटने की संभावना घटती है तथा मरीज शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सामान्य जीवन की ओर लौट पाते हैं। उन्होंने कहा कि मेथाडोन मेंटेनेंस थेरेपी के जनस्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण लाभ हैं। यह इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वाले व्यक्तियों में असुरक्षित सुइयों के उपयोग को कम करती है, जिससे एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसी गंभीर बीमारियों के संक्रमण को रोकने में सहायता मिलती है।

वित्त मंत्री हरपाल चीमा की मौजूदगी में गोबिंदगढ़ नगर कौंसिल की नई टीम को बधाई

गोबिंदगढ़/यूटर्न/26 जून। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की मौजूदगी में नगर कौंसिल गोबिंदगढ़ की नई टीम को पदभार संभालने पर बधाई दी गई। हरप्रीत सिंह प्रिंस ने चेयरमैन के रूप में जिम्मेदारी संभाली, जबकि विनीत कुमार बिट्टू को सीनियर वाइस चेयरमैन और सुखविंदर कौर को वाइस चेयरपर्सन की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर के विकास और जनसेवा को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम लोगों की समस्याओं का समाधान करने और गोबिंदगढ़ को बेहतर नगर सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी।

शहरवासियों को नई टीम से सफाई व्यवस्था, सड़कों, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी और बुनियादी सुविधाओं में सुधार की उम्मीद है। चेयरमैन हरप्रीत सिंह प्रिंस ने भरोसा दिलाया कि नगर कौंसिल पारदर्शिता और सभी वार्डों के समान विकास के साथ काम करेगी। नई टीम के गठन को गोबिंदगढ़ के विकास के लिए अहम कदम माना जा रहा है।

लुधियाना में 'खोखली सड़क' का खेल फिर उजागर: सग्गू चौक के पास 20 फीट तक धंसी सड़क, चौथी बार हादसा

शिफाली

लुधियाना/यूटर्न/26 जून। नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर शहर की सड़कों पर भारी पड़ी है। सग्गू चौक से फिरोजपुर रोड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क करीब 20 फीट तक धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा बन गया। हालांकि वहां से कोई वाहन चालक न गुजरने के चलते बड़ा हादसा होने से बच गया। चौथी बार यह सड़क इस जगह से धंसी है। बताया जा रहा है कि पानी लीकेज के कारण सड़क अंदर से खोखली हो गई थी। जिस कारण यह धंस गई। हालांकि सूचना मिलने के बाद मौके पर ज्वाइंट कमिश्नर विनीत शर्मा पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। निगम द्वारा सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारी का कहना है कि 10 इंची वाटर सप्लाई लाइन डैमेज हो गई है। जिस कारण पानी की लीकेज हो रही थी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे फिरोजपुर रोड को हंबड़ा रोड से जोड़ने वाले मार्ग पर ऑन हॉटल के पास सग्गू चौक की ओर जाने वाली सड़क अचानक धंस गई।

निगम की लापरवाही, जनता पर भारी...बता दें कि यह सड़क इसी जगह से पहले भी तीन बार धंस चुकी है। हर बार पानी लीकेज के कारण सड़क खोखली होने के दावे किए जाते हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि हर बार निगम अधिकारी इसे दरुस्त कर आगे से ऐसी समस्या न आने के दावे करके चले जाते हैं। लेकिन हर बार हादसा हो जाता है। हालांकि इलाका निवासियों का कहना है कि शायद निगम अधिकारी किसी बड़े हादसे के इंतजार में है, इसी के चलते वे इस पर ध्यान नहीं दे रहे।

लीकेज से मिट्टी खिसकती रही...हादसे के बाद नगर निगम ने सुरक्षा कारणों से प्रभावित हिस्से को तुरंत बंद कर दिया। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। सड़क के नीचे से गुजर रही वाटर सप्लाई और सीवरेज पाइपलाइन में लीकेज के कारण मिट्टी धीरे-धीरे खिसकती रही, जिससे सड़क अंदर से खोखली हो गई और आखिरकार धंस गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ज्वाइंट कमिश्नर ने स्थिति का जायजा लिया...घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम के ज्वाइंट कमिश्नर विनीत शर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पाइपलाइन लीकेज के कारण सड़क धंसी है और मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। फिलहाल बी एंड आर और ओ एंड एम सेल की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सड़क की मरम्मत जारी है। मुख्य मार्ग बंद होने से यातायात प्रभावित है और लोगों को वैकल्पिक रास्तों से गुजरना पड़ रहा है।

शिरोमणि अकाली दल की 5-सदस्यीय कमेटी ने संतों से की मुलाकात

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/26/जून। पंथक मयार्दा और श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को सर्वोपरि रखते हुए, शिरोमणि अकाली दल की पांच-सदस्यीय कमेटी ने आज जगरांव में प्रमुख संत-महापुरुषों के साथ विशेष बैठक की। इस दौरान कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने गुरु साहिब की बेअदबी के मामलों और वर्तमान पंथक स्थितियों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रमुख संतों का मिला मार्गदर्शन...अकाली दल की कमेटी में शामिल वरिष्ठ नेता स. बलविंदर सिंह भूंदड़ (संरक्षक), डॉ. दलजीत सिंह चीमा, स. महेशइंदर सिंह ग्रेवाल, स. गुलजार सिंह रणीके और स. अमरजीत सिंह चावला ने आज गुरुद्वारा गोपालसर साहिब (गगड़ा) और नानकसर साहिब में नतमस्तक होकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने बाबा घाला सिंह जी, बाबा गुरजीत सिंह जी, बाबा गुरचरण सिंह जी, बाबा अमरजीत सिंह (गोपालसर साहिब), बाबा सरबजीत सिंह डांगो, बाबा कुलवंत सिंह मैहितियाणा साहिब समेत अनेक महानुभावों के साथ विचार-विमर्श किया। सभी संतों ने पंथक एकता और गुरमत सिद्धांतों पर अटूट पहरा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश सर्वोपरि...बैठक के दौरान कमेटी ने स्पष्ट किया कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा बेअदबी के मामलों पर जारी किए गए आदेश हर सिख के लिए सर्वोच्च हैं। नेताओं ने इन आदेशों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान करते हुए कहा कि पंथ विरोधी ताकतों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपस्थित संगत और जत्थेदार साहिबान ने भी इन आदेशों को अक्षरशः लागू करने का संकल्प लिया।

पैगंबर मोहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में मुस्लिम समाज ने डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

अजीत झा,
चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। पैगंबर हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के संबंध में भाजपा नेत्री नाज़िया इलाही की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को चंडीगढ़ के मुस्लिम समाज, विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर-34 स्थित डीएसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समाजसेवी एवं आम आदमी पार्टी, चंडीगढ़ के अल्पसंख्यक विंग के प्रदेश अध्यक्ष शादाब राठी ने किया।

ज्ञापन में प्रशासन से मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराने की मांग की गई। साथ ही कहा गया कि यदि जांच में किसी प्रकार का कानून का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पैगंबर हजरत मुहम्मद दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों के लिए अत्यंत सम्मानित हैं। उनके संबंध में किसी भी प्रकार की कथित अपमानजनक टिप्पणी से धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और इससे सामाजिक सौहार्द तथा आपसी भाईचारे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शादाब राठी ने कहा कि भारत का संविधान सभी धर्मों और उनके पूजनीय व्यक्तित्वों के सम्मान की शिक्षा देता है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि समाज में शांति, भाईचारा और कानून के प्रति लोगों का विश्वास बना रहे। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी भावनाएं प्रशासन तक पहुंचाना तथा समाज में अमन, सद्भाव और सभी धर्मों के सम्मान की भावना को मजबूत करना है। इस दौरान अवतार सिंह, सनी कुमार, देवेश राजपूत, बबलू भाई, नवाब सिद्दीकी, रिजवान खान, मजहर खान, गुफरान अली, इमरान कुद्दुसी, राशिद राणा, सहजाद अली, वसीम खान, सलमान खान सहित मुस्लिम समाज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सेक्टर-46 की अपनी मंडी में नगर निगम की तड़के कार्रवाई, 30 चालान काटे

सेक्टर-46 की अपनी मंडी में नगर निगम की तड़के कार्रवाई, 30 चालान काटे

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। शहरवासियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर निगम चंडीगढ़ ने शुक्रवार सुबह सेक्टर-46-सी स्थित अपनी मंडी में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। सुबह 5 बजे से 7 बजे तक चले इस अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 30 चालान किए गए।

नगर निगम के प्रवर्तन विंग की निगरानी में चलाए गए इस अभियान में इंस्पेक्टर एनफोर्समेंट, दो सब-इंस्पेक्टर, संबंधित एसडीओ, जूनियर इंजीनियर (जेई) तथा स्थानीय पुलिस की टीम शामिल रही। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने मंडी में अवैध रूप से लगाए गए टेबल हटाए और सार्वजनिक मार्ग में बाधा बन रहे कई इलेक्ट्रॉनिक कांटे, बड़ी बैटरियां तथा अन्य सामान जब्त कर लिया। नगर निगम के अनुसार, यह कार्रवाई नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ की गई। नगर निगम ने कहा कि अपनी मंडियों में व्यवस्था बनाए रखना, आम लोगों की सुविधा सुनिश्चित करना और अतिक्रमण पर प्रभावी रोक लगाना उसकी प्राथमिकता है। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि नागरिक अनुशासन और सार्वजनिक हित को बनाए रखा जा सके।

चंडीगढ़ के 125 वाटर बूस्टर व रिजर्वायर बदहाल, चार साल से बिना सफाई-मेंटेनेंस के हो रहा पेयजल आपूर्ति

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। 'स्मार्ट सिटी' चंडीगढ़ शहर की पेयजल व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप है कि चंडीगढ़ के करीब 125 वाटर बूस्टर, वाटर रिजर्वायर और स्टोरेज टैंक पिछले चार वर्षों से बिना नियमित सफाई, मेंटेनेंस और रिपेयर के संचालित किए जा रहे हैं। इससे हजारों शहरवासियों तक दूषित पानी पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

वाटर बूस्टरों की सफाई और रखरखाव से जुड़े दिलीप भारद्वाज ने दावा किया कि निर्धारित मानकों के अनुसार इन जल संरचनाओं की हर छह महीने में सफाई और तकनीकी देखभाल की जानी चाहिए, लेकिन पिछले चार वर्षों में ऐसा नहीं हुआ। उनका कहना है कि लगातार अनदेखी से पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि नगर निगम इस मामले में अब तक सक्रिय क्यों नहीं हुआ और मांग की कि 29 जून को होने वाली निगम बैठक में इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया जाए। इस संबंध में मेयर और नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग भी की गई है।

वहीं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बॉडी क्राफ्ट के अध्यक्ष हितेश पुरी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है तो इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करने और जल्द सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को चुनौती देना सरकार के लिए घातक

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/26/जून। सिख कौम के सर्वोच्च धार्मिक स्थल, श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों की अवमानना और पंथ विरोधी गतिविधियों के खिलाफ अब सख्त रुख अख्तियार किया गया है। इसी कड़ी में, पूरे पंजाब में एक विशेष मुहिम शुरू की गई है, जिसके तहत गुरुद्वारों में श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों की कॉपियां और निर्देश बोर्ड लगाने का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में जगरौन स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा मोरी गेट साहिब में भी एक विशेष फ्लेक्स बोर्ड स्थापित किया गया।

इतिहास से सबक ले सरकार : भाई तरनप्रीत सिंह खालसा... इस अवसर पर भाई तरनप्रीत सिंह खालसा ने स्पष्ट किया कि श्री अकाल तख्त साहिब केवल एक धार्मिक स्थान नहीं, बल्कि सिख कौम की संप्रभुता और सर्वोच्चता का प्रतीक है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि सरकार को अकाल तख्त से 'मत्था लगाने' (सीधा टकराव लेने) से पहले इतिहास के पन्नों को जरूर पढ़ लेना चाहिए।

'अहंकारी शासकों का पतन निश्चित' : भाई तरनप्रीत सिंह ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा :इतिहास का प्रमाण : मुगल सल्तनत से लेकर ब्रिटिश हुकूमत तक, जिन भी शासकों ने सिख पंथ और अकाल तख्त की सर्वोच्चता को कुचलने का प्रयास किया, अंतत उनका अहंकार टूटा और उन्हें अपनी गलतियों का भारी खमियाजा भुगतना पड़ा।

टकराव नहीं, संवाद का रास्ता चुनें : उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह सिख संस्थाओं से टकराव की नीति त्यागकर सम्मान और संवाद का रास्ता अपनाए।

राजनीति से ऊपर उठें : उन्होंने गुरु नानक नामलेवा संगत से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक दल के प्रभाव से ऊपर उठकर श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों को सर्वोपरि मानें और उनका पूर्ण पालन करें।

सरकारी दफ्तरों में 'ठंडी हवा' का दौर, कुर्सीयां ठंडी, पर दफ्तर खाली: जनता बेहाल

समय सुबह 7:30 बजे का, पर 10 बजे तक 'बाबू' लापता

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/26/जून। पंजाब सरकार के तमाम दावों और आदेशों के बावजूद सरकारी दफ्तरों में 'लेट-लतीफी' का कल्चर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। सिद्धवां बेट तहसील और पटवारखाना में तैनात कर्मचारी सरकार के नियमों को पूरी तरह से ठेंगा दिखा रहे हैं।

खाली कुर्सियों को भा रही 'कूलिंग', जनता परेशान

नियमों के अनुसार, सरकारी दफ्तर खुलने का समय सुबह 7:30 बजे है। स्थानीय पत्रकारों की टीम ने जब सुबह 8:30 बजे तहसील परिसर का जायजा लिया, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था। दफ्तर में ए.सी. और पंखे तो पूरी रफ्तार से चल रहे थे, लेकिन वहां तैनात कर्मचारी नदारद थे। ऐसा लग रहा था मानो ये सुविधाएं केवल खाली कुर्सियों को ठंडक पहुंचाने के लिए चल रही हों। वहां मौजूद आम जनता अपने जरूरी कामों के लिए सुबह से ही कतारों में खड़ी थी, लेकिन कर्मचारियों के न होने से उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा।

तहसीलदार का अजीब तर्क: 'लोग तो 11 बजे आते हैं'

जब पत्रकारों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार से फोन पर संपर्क किया, तो पहले तो उन्होंने फोन उठाने में आनाकानी की। बाद में सफाई देते हुए उन्होंने कहा, मैं रास्ते में हूं। जब उनसे दफ्तर के समय के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने बेतुका तर्क देते हुए कहा कि लोग तो अपने कामों के लिए 10-11 बजे ही आते हैं। बाद में अपना बचाव करते हुए उन्होंने देरी का कारण 'गुरु घर में माथा टेकना' बताया।

पटवारखाने का हाल और भी बेहाल

तहसील परिसर के साथ बने पटवारखाने का नजारा और भी शर्मनाक था। वहां ताला लटका हुआ था। काफी देर बाद एक व्यक्ति आया जिसने ताला खोला, अपना चाय का सामान निकाला और दोबारा ताला लगाकर अपने निजी काम में व्यस्त हो गया। इस दौरान हलका इंचार्ज डॉ. के.एन.एस. कंग से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ आता रहा।

सवाल यह है

क्या भगवंत मान सरकार अपने इन 'बेपरवाह' बाबुओं पर कोई ठोस कार्रवाई करेगी, या फिर आम जनता इसी तरह सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाकर अपनी मेहनत की कमाई और समय बर्बाद करती रहेगी?

गांव डल्ला मे स्वास्थ्य जागरूकता और एचआईवी टेस्टिंग कैंप का सफल आयोजन

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/26/जून। स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज गाँव डल्ला में एक वृहद स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कैंप पंजाब स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के दिशा-निर्देशों के तहत, जगरांव और हठूर के एसएमओ (रटड) के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

शिविर की मुख्य विशेषताएं:

स्वास्थ्य जाँच और उपचार: कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी सामान्य बीमारियों की जाँच करवाई, जिसके उपरांत उन्हें उचित परामर्श और निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जाँचें: एड्स के प्रति जागरूकता और इसके परीक्षण के साथ-साथ शिविर में हेपेटाइटिस सी, हेपेटाइटिस बी और शुगर (मधुमेह) जैसी गंभीर बीमारियों की जाँच हेतु विशेष काउंटर लगाए गए थे।

विशेषज्ञों की उपस्थिति: इस अवसर पर जिला एड्स कंट्रोल ऑफिस से डॉ. अमृत कौर और पंजाब स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी से रमनदीप कौर ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और बीमारियों के समय पर निदान व बचाव के महत्व पर प्रकाश डाला। यह शिविर स्थानीय निवासियों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ, जहाँ उन्हें एक ही छत के नीचे विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएँ और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

संपादकीय

पद्म श्री सम्मान और राजनीतिक गणित

संदीप शर्मा, सम्पादक

केंद्र सरकार ने डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास को पद्म श्री देने का फैसला किया है। इससे पंजाब की राजनीति की एक पुरानी सच्चाई फिर से चर्चा में आ गई है: डेरों का बहुत ज्यादा असर। 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक पार्टियों की जोरदार तैयारी शुरू होने से कुछ महीने पहले मिले इस सम्मान को, सरकार की मंशा चाहे जो भी हो, राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है।

इसमें कोई शक नहीं कि संत निरंजन दास और डेरा सचखंड बल्लान ने रविदासिया समुदाय के सामाजिक-धार्मिक जीवन में, खासकर दोआबा इलाके में, अहम भूमिका निभाई है। यह डेरा लंबे समय से सिर्फ एक आध्यात्मिक संस्थान से कहीं ज्यादा रहा है। लाखों अनुयायियों के लिए यह पहचान, सामाजिक सशक्तिकरण और समुदाय की एकता का जरिया है। नागरिक सम्मानों के जरिए ऐसे योगदान को पहचान देना न तो अजीब है और न ही गलत। फिर भी, पंजाब में, जहाँ धर्म और राजनीति का इतिहास में जटिल तरीके से मेल रहा है, ऐसे फैसले शायद ही कभी सिर्फ सामाजिक पहचान तक सीमित रहते हैं। डेरा सचखंड बल्लान के राजनीतिक महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। डेरे का वोटरों पर काफी असर है; ये वोटर पंजाब की आबादी का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं और दोआबा इलाके में इनकी बड़ी संख्या है। इसलिए, अलग-अलग विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों का इस संस्थान से करीबी संबंध बनाने की कोशिश करना कोई हैरानी की बात नहीं है। इस कोशिश में बीजेपी अकेली नहीं है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल, सभी ने अलग-अलग समय पर चुनावी फायदा पाने की उम्मीद में अलग-अलग डेरों को लुभाने की कोशिश की है। वरिष्ठ नेताओं का डेरों का दौरा करना, खासकर चुनावों से पहले, पंजाब की राजनीति का एक रिवाज बन गया है। संदेश साफ है: कोई भी गंभीर राजनीतिक खिलाड़ी प्रभाव के इन केंद्रों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि आध्यात्मिक संस्थानों पर यह लगातार निर्भरता लोकतांत्रिक राजनीति को मजबूत करती है या कमजोर। पंजाब आज एक अहम मोड़ पर खड़ा है। राज्य कई संकटों का सामना कर रहा है, खेती-किसानी की मुश्किलों, बढ़ते कर्ज, तेजी से बढ़ती बेरोजगारी, ड्रग्स की समस्या और बेहतर मौकों की तलाश में युवाओं का बड़ी संख्या में विदेश जाना। इन मुद्दों पर गंभीर राजनीतिक चर्चा और नई नीतियों की जरूरत है। अफसोस की बात है कि राज्य में चुनावी चर्चा अक्सर प्रतीकों, पहचान के गणित और धार्मिक या सामाजिक-आध्यात्मिक नेताओं से समर्थन पाने की कोशिशों के साये में दब जाती है। साथ ही, सिर्फ डेरों की आलोचना करना सही नहीं होगा। उनका असर कई मायनों में मुख्यधारा की राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं की नाकामी का नतीजा है। कई डेरे उन समुदायों के लिए सम्मान और सशक्तिकरण की जगह के तौर पर उभरे, जो पारंपरिक सामाजिक ढांचे में खुद को हाशिए पर महसूस करते थे। जहाँ सरकार नाकाम रही, वहाँ अक्सर डेरों ने आगे बढ़कर शिक्षा, समाज कल्याण और अपनापन महसूस कराने जैसी सुविधाएँ दी हैं। यही वजह है कि उनका असर आज भी बना हुआ है। पंजाब के नेताओं के सामने चुनौती डेरों की भूमिका को कम करने की नहीं, बल्कि यह पक्का करने की है कि लोकतांत्रिक राजनीति उन पर बहुत ज्यादा निर्भर न हो जाए। संत निरंजन दास को पद्म श्री मिलना समाज सेवा के लिए एक सही सम्मान है। लेकिन एक स्वस्थ लोकतंत्र वही है जिसमें वोटर मुख्य रूप से कामकाज, परफॉर्मेंस और जन-नीतियों के आधार पर अपना फैसला करते हैं। पंजाब का भविष्य सिर्फ डेरों से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि वहाँ का राजनीतिक नेतृत्व लोगों की उम्मीदों को कितना पूरा कर पाता है।

सस्पेंस, रहस्य और दमदार अभिनय का संगम बनी 'इकबाल राईटर', सत्ता ढिल्लों के नए अवतार ने जीता दर्शकों का दिल

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 जून। पंजाबी सिनेमा में अक्सर कॉमेडी, रोमांस और पारिवारिक कहानियों का बोलबाला देखने को मिलता है, लेकिन जब कोई फिल्म अपने अनोखे विषय, रहस्यमयी कहानी और अलग प्रस्तुति के साथ सामने आती है तो वह दर्शकों के बीच खास पहचान बना लेती है। ऐसी ही एक फिल्म है ह्यइकबाल राईटरह्न, जिसने रिलीज होते ही सोशल मीडिया और दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनकर अपनी अलग जगह बना ली है।

19 जून 2026 को ळ्ौ ळ्ौं३ ३ी अ२८ ऋ२ के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई यह फिल्म लगातार दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। सस्पेंस और रहस्य से भरपूर इसकी कहानी दर्शकों को शुरूआत से लेकर अंत तक बांधे रखती है। यही वजह है कि फिल्म को देखने के बाद दर्शक इसकी कहानी और कलाकारों की अदाकारी की खुलकर सराहना कर रहे हैं।

सत्ता ढिल्लों का बदला हुआ अंदाज बना आकर्षण का केंद्र...फिल्म की सबसे बड़ी खासियत अभिनेता सत्ता ढिल्लों का नया और गंभीर रूप है। अब तक अपनी कॉमिक टाइमिंग और हल्के-फुल्के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले सत्ता ढिल्लों ने इस फिल्म में खुद को पूरी तरह बदलकर पेश किया है।

'इकबाल राईटर' में उनका किरदार रहस्य, भावनाओं और संघर्षों से भरा हुआ है। उन्होंने अपने अभिनय से साबित किया है कि वह केवल कॉमेडी तक सीमित कलाकार नहीं हैं, बल्कि चुनौतीपूर्ण और गंभीर भूमिकाओं को भी उतनी ही मजबूती से निभाने की क्षमता रखते हैं। दर्शकों के बीच उनके इस नए अवतार की खूब चर्चा हो रही है और कई लोग इसे उनके करियर का सबसे अलग प्रदर्शन बता रहे हैं।

कहानी जो हर पल बढ़ाती है उत्सुकता...फिल्म की कहानी ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे नए रहस्य और सवाल सामने आते जाते हैं। हर दृश्य के बाद दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हो जाता है कि आगे क्या होने वाला है।

लेखक कुलदीप सिंह ने कहानी को इस तरह गढ़ा है कि दर्शकों की दिलचस्पी अंत तक बनी रहती है। फिल्म में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ और सस्पेंस इसे सामान्य फिल्मों से अलग बनाते हैं। यही कारण है कि दर्शकों को यह फिल्म एक ताजा अनुभव प्रदान कर रही है।

हंसिका ने पहले ही प्रयास में छोड़ी मजबूत छाप...फिल्म में फीमेल लीड के

रूप में नजर आई हंसिका ने अपने डेब्यू प्रदर्शन से प्रभावित किया है। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने किरदार को आत्मविश्वास और सहजता के साथ निभाया है।

उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और भावनात्मक दृश्यों में पकड़ ने कहानी को मजबूती प्रदान की है। दर्शकों और फिल्म प्रेमियों का मानना है कि हंसिका ने अपने अभिनय से यह संकेत दे दिया है कि वह आने वाले समय में पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण चेहरा बन सकती हैं।

सह कलाकारों ने बढ़ाया फिल्म का प्रभाव...फिल्म में सौरव बंगा सहित अन्य कलाकारों ने भी अपनी भूमिकाओं के साथ पूरा न्याय किया है। प्रत्येक कलाकार ने कहानी के अनुरूप प्रभावशाली अभिनय करते हुए फिल्म को और मजबूत बनाया है।

किसी भी सस्पेंस फिल्म की सफलता उसके किरदारों की विश्वसनीयता पर निर्भर करती है और इस मामले में ह्यइकबाल राईटरह्न पूरी तरह सफल दिखाई देती है।

पर्दे के पीछे की टीम ने दिखाया कमाल...फिल्म के निर्देशक जीएस सिद्धू (ऋ२ँ४) ने कहानी को बेहद प्रभावशाली तरीके से स्क्रीन पर उतारा है। उन्होंने हर दृश्य को इस तरह प्रस्तुत किया है कि रहस्य और रोमांच का स्तर लगातार बना रहता है।

वहीं, जीत राउडी की एडिटिंग कहानी को गति प्रदान करती है और कहीं भी फिल्म को धीमा नहीं होने देती। दूसरी ओर करण बीर म्यूजिक का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म के रहस्यमयी माहौल को और अधिक प्रभावशाली बनाता है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिल रहा शानदार प्रतिसाद...यूट्यूब पर रिलीज होने के बाद फिल्म को लगातार सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। दर्शक विशेष रूप से इसके अलग कॉन्सेप्ट, सस्पेंस और सत्ता ढिल्लों के दमदार अभिनय की तारीफ कर रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बावजूद फिल्म ने यह साबित किया है कि अच्छी कहानी और मजबूत प्रस्तुति हमेशा दर्शकों तक अपना प्रभाव छोड़ती है।

पंजाबी सिनेमा के लिए एक सकारात्मक संकेत...'इकबाल राईटर' यह दर्शाती है कि पंजाबी सिनेमा अब नए विषयों और प्रयोगात्मक कहानियों की ओर भी बढ़ रहा है। पारंपरिक विषयों से हटकर बनाई गई यह फिल्म दर्शकों को कुछ नया देखने का अवसर देती है और इंडस्ट्री में रचनात्मक बदलाव की उम्मीद भी जगाती है। कुल मिलाकर, 'इकबाल राईटर' एक ऐसी फिल्म है जो अपने रहस्य, रोमांच, मजबूत कहानी, शानदार निर्देशन और कलाकारों की प्रभावशाली अदाकारी के कारण देखने योग्य बनती है। खासकर सत्ता ढिल्लों का बदला हुआ अंदाज इस फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धि बनकर सामने आया है।

The Theatre Army Films की पूरी टीम इस अनोखे प्रयास और बेहतरीन प्रस्तुति के लिए बधाई की पात्र है। यदि आप सस्पेंस और रहस्य से भरपूर कहानियाँ पसंद करते हैं, तो 'इकबाल राईटर' निश्चित रूप से आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

कांग्रेस का 'छात्रों की गूंज' अभियान सेक्टर-15 पहुँचा, मोदी सरकार ने युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला : एच.एस. लक्की

पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं पर कांग्रेस का प्रहार, छात्रों का सरकार से उठ चुका है विश्वास

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आज सेक्टर-15 मेयर सौरभ जोशी के वार्ड में ऱछात्रों की गूंजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा राजस्थान के कोटा में छात्रों को संबोधित करते हुए दिए गए भाषण का बड़ी एलईडी स्क्रीन पर प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, स्थानीय निवासियों, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष जतिन सिंह रवी शाह एवं अश्विनी कौशल के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिस देश का युवा निराश, हताश और असुरक्षित महसूस करने लगे, उस सरकार के पास नैतिक रूप से सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं रह जाता।

लक्की ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लगातार हुए पेपर लीक, भर्ती घोटालों और बढ़ती बेरोजगारी ने लाखों छात्रों और युवाओं के सपनों को तोड़ दिया है। वर्षों की मेहनत और तैयारी के बावजूद युवाओं को न तो निष्पक्ष परीक्षाओं की गारंटी मिल रही है और न ही रोजगार के अवसर। यही कारण है कि आज देश का युवा स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने हाल ही में चंडीगढ़ आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब वे शहर आए तो युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और छात्रों ने उन्हें काले झंडे दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया। लक्की ने कहा कि शिक्षा मंत्री इमरजेंसी पर भाषण देने आए थे, लेकिन देशभर में हुए दर्जनों पेपर लीक, भर्ती घोटालों और छात्रों के भविष्य से हुए खिलवाड़ पर उन्होंने आज तक एक शब्द भी नहीं बोला। यह उनकी संवेदनहीनता और जवाबदेही से बचने का सबसे बड़ा प्रमाण है। एच.एस. लक्की ने कहा कि यदि धर्मेंद्र प्रधान के भीतर नैतिकता का थोड़ा भी भाव शेष है तो उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए, क्योंकि शिक्षा मंत्रालय छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रहा है।

एचपीएससी अभ्यर्थियों का आंदोलन तेज, धरना स्थल पहुंचे भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पंचकूला/यूटर्न/26 जून। एचपीएससी अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। सेक्टर-5 स्थित धरना स्थल पर हरियाणा लोक सेवा आयोग अभ्यर्थी संघर्ष समिति का धरना नौवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा धरना स्थल पहुंचे और आमरण अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उनकी मांगों का समर्थन किया। धरने पर 30 से अधिक अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं। वहीं आमरण अनशन पर बैठी अभ्यर्थी पल्लवी, सुमन तथा अभ्यर्थी सुरेंद्र और रमणदीप की बिगड़ती तबीयत चिंता का विषय बनी हुई है। अभ्यर्थियों की मुख्य मांगों में परीक्षा में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता समाप्त करना और रिक्त पदों को नियमानुसार भरना शामिल है। पत्रकारों से बातचीत में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि एचपीएससी की कार्यप्रणाली गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि एससी और ओबीसी के रिक्त पद नहीं भरे जा रहे और 35 प्रतिशत अंकों की शर्त लगाकर योग्य अभ्यर्थियों को बाहर किया जा रहा है। हुड्डा ने सरकार से तुरंत समिति बनाकर समाधान निकालने की मांग की।

राघव चड्ढा को केंद्र सरकार दे सकती है बड़ी जिम्मेदारी, मंत्रीमंडल मिलने की संभावनाएं, मित्तल और चुघ भी दौड़ में शामिल

पंजाब/यूटर्न/26 जून। आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा जॉइन करने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा केंद्र में मंत्री बन सकते हैं। उनके साथ लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के चांसलर अशोक मित्तल भी दावेदार हैं। पंजाब से अभी रवनीत बिट्टू केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। हालांकि उनका राज्यसभा का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो चुका है। ऐसे में उन्हें सांसद न होने पर 6 महीने बाद यानी 21 दिसंबर तक मंत्रीपद छोड़ना होगा। ऐसी सूरत में पंजाब से किसी एक चेहरे को केंद्र में शामिल करना तय माना जा रहा है। हालांकि इस दौड़ में अमृतसर के रहने वाले व हाल ही में बिट्टू की जगह राज्यसभा भेजे तरूण चुघ भी शामिल हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते में कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। चर्चा है कि इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरूवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले, जिसमें उन्हें इसके बारे में सुझाव दिया गया है। हालांकि अभी मंत्रीपद वाले नए चेहरों को लेकर कोई औपचारिक पुष्टि या सूचना नहीं है।

आप पार्टी से छह सांसदों को तोड़ा

राघव चड्ढा 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे। उन्होंने पार्टी की जीत के लिए ऑन ग्राउंड भी वर्किंग की। चुनाव के बाद आप की सरकार बनी और भगवंत मान मुख्यमंत्री बन गए। जिसके बाद शुरूआती 2 साल तक राघव चड्ढा को पंजाब में सुपर सीएम की तरह माना गया। लेकिन फिर वह एकदम पीछे हटने लगे। फिर संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रम सिंह साहनी, राजिंद्र गुप्ता और स्वाति मालीवाल को आप से तोड़कर अपने साथ भाजपा में शामिल करवा लिया।

मौली गांव में लगा एकीकृत स्वास्थ्य जांच शिविर, टीबी समेत कई बीमारियों की मुफ्त जांच

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। स्वास्थ्य विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने सामुदायिक स्तर पर निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और बीमारियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को मौली गांव (मौलीजागरां) में एकीकृत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर स्वास्थ्य विभाग के विशेष जनस्वास्थ्य अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत शहर के संवेदनशील और वंचित क्षेत्रों में लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। शिविर में लोगों की टीबी, एचआईवी/एड्स, हेपेटाइटिस-बी और सी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सिफलिस सहित कई बीमारियों की निशुल्क जांच की गई। मौके पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की मोबाइल डायग्नोस्टिक वैन भी तैनात रही, जिसमें छाती का एक्स-रे, टीबी जांच, परामर्श और जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं।

लालड़ू नगर काउंसिल में आम आदमी पार्टी की सर्वसम्मति से ताजपोशी

जोरावर सिंह बने प्रधान, हरीश मदान वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अमन राणा उपाध्यक्ष चुने गए

लालड़ू/यूटर्न/26 जून। नगर काउंसिल लालड़ू के प्रधान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव शुक्रवार को सर्वसम्मति से संपन्न हो गए। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित प्रधान पद पर पार्षद जोरावर सिंह को निर्विरोध चुना गया। वहीं हरीश मदान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अमन राणा को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी अमित गुप्ता की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

नगर काउंसिल कार्यालय में आयोजित बैठक में कार्यकारी अधिकारी अशोक परहिया ने सचिव की भूमिका निभाई। आम आदमी पार्टी की पार्षद महिमा शर्मा ने तीनों पदों के लिए नाम प्रस्तावित किए, जिन्हें सभी पार्षदों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने तीनों को निर्वाचित घोषित कर दिया। इस अवसर पर डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि लालड़ू की जनता ने विकास की राजनीति और ईमानदार शासन पर भरोसा जताया है। नगर काउंसिल में सर्वसम्मति से हुए चुनाव लोकतांत्रिक परंपरा और जनहित की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि नई टीम शहर के समग्र विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी कार्यों को प्राथमिकता देगी। नवनिर्वाचित प्रधान जोरावर सिंह ने सभी पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बिना किसी भेदभाव के पूरे शहर के विकास के लिए कार्य करेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश मदान और उपाध्यक्ष अमन राणा ने भी विश्वास दिलाया कि नगर काउंसिल जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए टीम भावना से काम करेगी।

लालड़ू नगर काउंसिल में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व में गठित नई टीम को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। निर्वाचन के बाद समर्थकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।

पीले आउटफिट में छाईं वामीका

मुंबई में वामीका का स्टाइलिश लुक कैमरों में कैद हुआ।

पीले ब्लेजर और मैचिंग स्कर्ट में उनका ग्लैमरस अंदाज देखने लायक था।

व्हाइट शर्ट और मिनिमल ज्वेलरी ने पूरे लुक को और आकर्षक बना दिया।

फैंस सोशल मीडिया पर वामीका के इस फैशन स्टेटमेंट की तारीफ कर रहे हैं।

स्टाइल और कॉन्फिडेंस से भरा उनका यह लुक चर्चा में बना हुआ है।

डेराबस्सी पहुंचे कमलजीत चावला का कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

जतिंदर सिंह गोगिया ने की मुलाकात, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष बने जगतरणप्रीत सिंह धनोआ को दी बधाई

डेराबस्सी/यूटर्न/26 जून। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलजीत चावला के डेराबस्सी पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता जतिंदर सिंह गोगिया तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात कर डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान क्षेत्र में कांग्रेस की गतिविधियों को और सक्रिय बनाने, बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने तथा आम लोगों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य करेंगे।

इस मौके पर जगतरणप्रीत सिंह धनोआ को जिला युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उन्हें बधाई दी गई। नेताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में युवा कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने का अभियान तेज होगा। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, राजनीतिक गतिविधियों और क्षेत्र में कांग्रेस को और मजबूत बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। सभी नेताओं ने एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प दोहराया।

करोड़ों की बोगस बिलिंग स्कैम में के.के. अलॉयज और बेदी स्टील के मालिक गिरफ्तार

महेश गुप्ता और प्रियांश गुप्ता अदालत में किया पेश, मंडी गोबिंदगढ़ इंडस्ट्री में भी मचा हड़कंप

लुधियाना, 26 जून (अली)। पंजाब में करोड़ों रुपये की बोगस बिलिंग, संदिग्ध व्यापारिक लेन-देन और लोहे के कारोबार से जुड़े कथित स्कैम में लुधियाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए के.के. अलॉयज और बेदी स्टील से जुड़े महेश गुप्ता और प्रियांश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां आगे की जांच के लिए पुलिस ने उनका रिमांड मांगा है। यह मामला केवल भुगतान विवाद तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि जांच एजेंसियां अब यह भी खंगाल रही हैं कि क्या इसके पीछे बोगस बिलिंग और फर्जी व्यापारिक लेन-देन का बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। थाना साहनेवाल पुलिस ने इस मामले में महेश गुप्ता और प्रियांश गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 316(2), 318(4), 336(3), 340(2) और 61(2) के तहत केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता माधव भारती और अनमोल मित्तल की ओर से पुलिस

को दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने अलग-अलग फर्मों के माध्यम से लोहे का माल खरीदा। शुरूआत में भुगतान कर व्यापारिक भरोसा बनाया गया, लेकिन बाद में बड़े स्तर पर माल उठाकर करोड़ों रुपये की अदायगी नहीं की गई।

बड़ा सवाल – क्या यह सिर्फ भुगतान विवाद है?... यह केस केवल निजी व्यापारिक भुगतान विवाद नहीं है। आरोप है कि करोड़ों रुपये के लोहे के माल, संदिग्ध बिलिंग और वित्तीय लेन-देन के जरिए व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया गया। यदि जांच में बोगस बिलिंग साबित होती है, तो यह सरकारी टैक्स राजस्व, बाजार की पारदर्शिता और ईमानदार व्यापारियों के हितों से जुड़ा गंभीर मामला बन सकता है।

मंडी गोबिंदगढ़ इंडस्ट्री पर असर – स्टील नगरी में बढ़ी बेचैनी... मंडी गोबिंदगढ़ की स्टील, स्क्रैप और रोलिंग मिल इंडस्ट्री में इस मामले को लेकर हलचल है। कारोबारियों को डर है कि बोगस बिलिंग के मामलों से असली व्यापारियों पर भी जांच का दबाव बढ़ता है। इससे बैंकिंग, क्रेडिट, सप्लाई और नए व्यापारिक सौदों में भरोसे की कमी आ सकती है।

कारोबारियों की चिंता – भरोसे पर चोट... स्टील कारोबार में अधिकतर लेन-देन भरोसे और क्रेडिट पर चलते हैं। ऐसे मामलों में यदि माल उठाकर भुगतान नहीं किया जाता या फर्जी बिलिंग के जरिए लेन-देन दिखाया जाता है, तो छोटे और मध्यम कारोबारी सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

टैक्स राजस्व पर असर – सरकार को भी नुकसान... बोगस बिलिंग का सीधा असर जीएसटी राजस्व पर पड़ता है। फर्जी बिलों, गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट और कागजी लेन-देन के जरिए सरकारी खजाने को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए यह मामला टैक्स विभागों के लिए भी अहम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के बाद यूएई ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदियां लगाईं; भारत में भी बहस तेज

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सख़्त पाबंदियां लगाने वाला नया देश बन गया है। इससे दुनिया भर में एक बहस फिर से शुरू हो गई है, जो भारत में भी जोर पकड़ रही है, क्योंकि भारत में युवा इंटरनेट यूजर्स की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है। इस महीने की शुरूआत में मंजूर हुए कैबिनेट के एक नए फैसले के तहत, यूएई ने पर्सनल सोशल मीडिया अकाउंट रखने या चलाने के लिए कम से कम 15 साल की उम्र तय की है। इस उम्र से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने या इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी, जबकि 15 से 16 साल के किशोरों को बेहतर सुरक्षा उपायों के साथ ही एक्सेस की इजाजत होगी। सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उम्र-सत्यापन सिस्टम लागू करने और कम उम्र के यूजर्स के अकाउंट बंद करने का निर्देश दिया गया है। माता-पिता अपनी सहमति देकर इन पाबंदियों को नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे। प्लेटफॉर्म को नए नियमों का पालन करने के लिए 12 महीने तक का समय दिया गया है।

भारत में पूरी तरह रोक नहीं

भारत में अभी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक नहीं है। हालाँकि, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023, 18 साल से कम उम्र के सभी लोगों को बच्चा मानता है और प्लेटफॉर्म के लिए जरूरी बनाता है कि वे उनका पर्सनल डेटा प्रोसेस करने से पहले माता-पिता से वेरिफि एबल सहमति लें। सरकार ने बच्चों पर सोशल मीडिया के असर को लेकर बार-बार चिंता जताई है और टेक्नोलॉजी कंपनियों से सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया है।

नाबालिगों को सोशल मीडिया से रखा जाएगा दूर

यह कदम ऑस्ट्रेलिया के उस अहम कानून के बाद उठाया गया है जो 16 साल से कम उम्र के बच्चों को बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करने से रोकता है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार सख़्त लागू करने के तरीकों पर भी विचार कर रही है क्योंकि चिंता है कि कई किशोर मौजूदा सुरक्षा उपायों को दरकिनार कर देते हैं। इन घटनाओं ने भारत में नई चर्चाओं को जन्म दिया है, जहाँ किशोरों में ज्यादा स्क्रीन टाइम, साइबर बुलिंग, हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आने और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट को लेकर चिंताएँ लगातार बढ़ रही हैं।

450 मिलियन से ज्यादा यूज़र्स

भारत में 450 मिलियन से ज्यादा सोशल मीडिया यूजर्स हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा किशोरों का है। ऑस्ट्रेलिया, यूएई और ब्रिटेन जैसे देशों के कड़े नियम लागू करने की दिशा में आगे बढ़ने के साथ, भारत में नीति-निमार्ताओं पर मौजूदा सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने और डिजिटल युग में बच्चों की सुरक्षा के लिए और कड़े प्रतिबंधों की जरूरत पर विचार करने का दबाव बढ़ सकता है।

28 जून को चंडीगढ़ में पल्स पोलियो अभियान, 0 से 5 साल के बच्चों को पिलाई जाएंगी पोलियो की दो बूंदें

चंडीगढ़/यूटर्न/26 जून। भारत सरकार के निदेर्शानुसार 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की दो बूंदें पिलाई जाएंगी। इस अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शहरभर में 478 पल्स पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जबकि अभियान को सफल बनाने के लिए 1,078 टीकाकरण दल तैनात रहेंगे। अभियान की निगरानी के लिए 4 जोनल अधिकारी और 99 सेक्टर सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा हल्ड, वठऊ्द और जॉन स्नो इंडिया जैसी स्वतंत्र संस्थाएं भी अभियान की मॉनिटरिंग करेंगी।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राष्ट्रीय कोल्ड चेन दिशा-निदेर्शों के तहत वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण की पूरी व्यवस्था की गई है। सभी आइस-लाइनड रेफ्रिजरेटर (आईएलआर) में अत्याधुनिक वाई-फाई टेम्परेचर लॉगर लगाए गए हैं, जिससे अब तापमान की 247 निगरानी की जा रही है। भारत सरकार के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में यूटी चंडीगढ़ ने कोल्ड चेन प्रबंधन में ह्लजीरो सिकनेस रेटह्व हासिल कर देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में पोलियो सर्विलांस, टीकाकरण और पोलियो उन्मूलन से जुड़े कार्यों के लिए चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग की सराहना भी की है। अभियान के दौरान बेघर, प्रवासी मजदूर, भिक्षावृत्ति करने वाले और घुमंतू परिवारों के बच्चों तक पहुंचने के लिए स्वास्थ्य विभाग का विशेष ह्लतारे जमीन पर झ्र नाइट विजिलह्व कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इसके तहत चार विशेष टीमें शाम 7 बजे से रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, ट्रैफिक सिग्नलों और निर्माण स्थलों पर जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 28 जून को अपने 0 से 5 वर्ष आयु के सभी बच्चों को नजदीकी पल्स पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंदें अवश्य पिलवाएं।

पंचकुला के सेक्टर 6 की सड़क पर होते है गलत तरह से वाहन खड़े। पुलिस प्रशासन चुप

पंचकुला/यूटर्न/26 जून। सेक्टर 6 के काफी मात्रा में हरियाणा के सभी सरकारी ऑफिस के चलते लोग सड़कों पर वाहन लगाने पर मजबूर है। पर इसके चलते पुलिस भी उन गाड़ियों के चलान न करने पर मजबूर है। क्योंकि हरियाणा के सभी हेडक्वार्टर सेक्टर 6 में है। और वही पर हरियाणा से सभी नागरिक अपनी समस्या लेकर आते है। ऑफिस के अंदर पार्किंग न मिलने की वजह से लोग सेक्टर 6 की सड़क पर वाहन खड़े करने पर मजबूर है। इसी के चलते ट्रैफिक पुलिस उन गाड़ियों के चलान के बजाए उन गाड़ियों को साइड लगवाने पर मजबूर दिखाई देते है। पुलिस का क्या कहना जब इस मामले को लेकर एसीपी ट्रैफिक सुरिंदर डोडी से बात की गई तो उनका कहना है। की यह मामला मेरे संज्ञान में है। और जल्द ही इस मामले का हल किया जाएगा।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372